

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2008

## प्रश्न पत्र-II

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं।

### भाग-I (षडबल)

1. निम्न पत्रिका के लिए नैसर्गिक बल व उच्च बल ज्ञात करें।  
जन्म : 5.7.1945, 7:31 प्रातः बरेली (उ.प्र.)  
लग्न : कर्क 16:46, सूर्य : मिथुन 19:35, चन्द्र मेष 20:36  
मंगल : मेष 24:05, बुध : कर्क 9:22, गुरु : सिंह 28:05,  
शुक्र : वृष 4:15, शनि : मिथुन 21:03, राहु : मिथुन 16:06,  
केतु : धनु 16:06
2. प्रश्न 1 में दी पत्रिका के लिए अध्याधिपति, मासाधिपति और वाराधिपति व उनके बल ज्ञात करें?
3. निम्न पत्रिका के लिए ग्रहों के दिवारात्रि बल व पक्ष बल ज्ञात करें।  
जन्म : 15.7.1968, 3:40 प्रातः, इलाहाबाद (उ. प्र.)  
लग्न : मिथुन 5:58, सूर्य : मिथुन 29:04, चन्द्र : मीन 00:54  
मंगल : मिथुन 22:21, बुध : मिथुन 8:40, गुरु : सिंह 11:24  
शुक्र : कर्क 5:50, शनि : मेष 01:39, राहु : मीन 19:44,  
केतु : कन्या 19:44
4. क. ओजयुग्म राश्यांश बल से आप क्या समझते हैं?  
ख. प्र. 3 में दी पत्रिका के लिए दिग्बल ज्ञात करें?
5. निम्न की फलित में क्या उपयोगिता है?  
क. दिक्बल      ख. पक्षबल      ग. चेष्टा बल

### भाग-II (फलित ज्योतिष)

6. उपयुक्त उदाहरण के साथ पंच महापुरुष योग समझाएं।  
अथवा  
भाव बल की महत्ता समझाएं?
7. त्रेष्काण, सप्तांश व दशांश के क्या प्रयोग हैं? प्र. 1 की पत्रिका के संदर्भ में समझाएं।
8. कोई भाव कब (क) बली या (ख) निर्बल कहलाएगा? भाव का अध्ययन किस प्रकार किया जाता है?
9. प्र. 3 के जातक के लिए उपयुक्त वर्ग पत्रिका बनाकर उसके वैवाहिक जीवन पर चर्चा करें?
10. निम्न जातक के दशम भाव का चारों कारकों (सूर्य, बुध, गुरु व शनि) व दशमेश के आधार पर विवेचन करें।  
जन्म : 24.10.1933, 14:15, पुरी (उड़ीसा)  
लग्न : कुंभ 10:53, सूर्य : तुला 07:33, चन्द्र : धनु 16:58  
मंगल : वृश्चिक 17:46, बुध : वृश्चिक 00:49, गुरु : कन्या 16:32  
शुक्र : वृश्चिक 22:10, शनि : मकर 16:51, राहु : कुंभ 03:21